ततांरा-वामीरो कथा

पूर्व वर्षों के प्रश्नोत्तर
2016
अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 1.

गाना रुकते ही ततांरा एकाएक क्यों बोल पड़ा?

Answer:

ततांरा वामीरो के मधुर गीत और स्वर में निमग्न होकर अपनी सुध-बुध खो बैठा था। जैसे ही गीत समाप्त हुआ, उसकी तंद्रा टूटी और तन्मयता भंग हो गई। वह चाहता था कि गीत निरंतर चलता रहे, अतः गाना रूकते ही वह एकाएक बोल पड़ा।

लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 2.

ततांरा की पोशाक कैसी थी और वह सदा क्या बाँधकर रहता था? बताइए।

Answer:

ततांरा की पोशाक पारंपरिक थी और वह सदा एक लकड़ी की तलवार अपनी कमर में बाँधे रहता था। निकोबारियों का मत था कि बावजूद लकड़ी की होने पर भी उसमें अद्भुत दैवीय शक्ति है। ततांरा अपनी तलवार को न कभी अपने से अलग होने देता था और न ही दूसरों के सामने उसका उपयोग करता था।

2014
लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 3.

निकोबारी ततांरा को इतना अधिक प्रेम क्यों करते थे?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

निकोबार के लोग तताँरा से प्रेम करते थे क्योंकि वह एक नेक, मददगार एवं शाक्तिशाली युवक था। ततांरा सदैव दूसरों की मदद करने के लिए तत्पर रहता था। वह अपने गाँववालों की ही नहीं, अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्त्तव्य समझता था। उसका आकर्षक व्यक्तित्व एवं आत्मीयतापूर्ण स्वभाव सबको अपनी ओर आकर्षित कर लेता था।

Question 4.

'तताँरा वामीरो कथा' के आधार पर 'पशु-पर्व' का आयोजन क्यों और किस प्रकार किया गया था? उस दिन वहाँ क्या घटना घटी? लिखिए।

Answer:

प्राचीन काल में मनोरंजन और शक्ति-प्रदर्शन के लिए 'पशु-पर्व' तथा 'पशु-मेले' का आयोजन किया जाता था। इसमें हृष्ट-पुष्ट पशुओं का प्रदर्शन तो होता ही था साथ ही उनकी आपसी लड़ाई का भी आनंद लिया जाता था। इसके अतिरिक्त पशुओं से युवकों की शक्ति-परीक्षा की प्रतियोगिता भी होती थी। इसमें वर्ष में एकबार सभी गाँव के लोग हिस्सा लेते थे। बाद में नृत्य-संगीत और भोजन का भी आयोजन होता था। उस दिन वहाँ एक विचित्र घटना घटी। वामीरो की माँ वामीरो को तताँरा से मिलते देख क्रोधित हो गई। गाँव वालों और वामीरो की माँ ने तताँरा को तरह-तरह से अपमानित किया। इस पर तताँरा के क्रोध का ठिकाना न रहा। क्रोध में ही उसने अपनी तलवार निकालकर उसे पूरी ताकत से धरती में घोंप दिया और पूरी शक्ति से खींचने लगा, जिससे धरती दो टुकड़ों में बँट गई। निकोबारियों का मानना है कि वही टुकड़े आज कार-निकोबार और लिटिल-अंदमान हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

गद्यांश पर आधारित प्रश्न

Question 5.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

किसी तरह रात बीती। दोनों के हृदय व्यथित थे। किसी तरह आँचरहित एक ठंडा और ऊबाऊ दिन गुज़रने लगा। शाम की प्रतीक्षा थी। तताँरा के लिए मानो पूरे जीवन की अकेली प्रतीक्षा थी। उसके गंभीर और शांत जीवन में ऐसा पहली बार हुआ था। वह अचंभित था, साथ ही रोमांचित भी। दिन ढलने के काफ़ी पहले वह लपाती की उस समुद्री चट्टान पर पहुँच गया। वामीरो की प्रतीक्षा में एक-एक पल पहाड़ की तरह भारी था। उसके भीतर एक आशंका भी दौड़ रही थी। अगर वामीरो न आई तो? वह कुछ निर्णय नहीं कर पा रहा था। सिर्फ़ प्रतीक्षारत था। बस आस की एक किरण थी जो समुद्र की देह पर डूबती किरणों की तरह कभी भी डूब सकती थी। वह बार-बार लपाती के रास्ते पर नज़रें दौड़ाता। सहसा नारियल के झुरमुटों में उसे एक आकृति कुछ साफ़ हुई... कुछ और... कुछ और। उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। सचमुच वह वामीरो थी। लगा जैसे वह घबराहट में थी। वह अपने को छुपाते हुए बढ़ रही थी। बीच-बीच में इधर-उधर दृष्टि दौड़ाना न भूलती। फिर तेज़ कदमों से चलती हुई तताँरा के सामने आकर ठिठक गई। दोनों शब्दहीन थे। कुछ था जो दोनों के भीतर बह रहा था। एकटक निहारते हुए वे जाने कब तक खड़े रहे। सूरज समुद्र की लहरों में कहीं खो गया था। अँधेरा बढ़ रहा था। अचानक वामीरो कुछ सचेत हुई और घर की तरफ़ दौड़ पड़ी। तताँरा अब भी वहीं खड़ा था... निश्चल...शब्दहीन।

(क) तताँरा क्यों अचंभित था?

(ख) वामीरो चारों ओर दृष्टि क्यों दौड़ा रही थी?

(ग) 'कुछ था जो दोनों के भीतर बह रहा था' यहाँ 'कुछ' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

Answer:

(क) तताँरा अचंभित था क्योंकि ऐसा उसके जीवन में पहली बार हुआ था जब वह किसी के लिए इतना प्रतीक्षारत् था। अपने गंभीर एवं शांत जीवन में किसी से मिलने के लिए इतना आतुर वह पहली बार हुआ था। अपने स्वभाव के इस परिवर्तन को देख उसका अचंभित होना स्वाभाविक था।

(ख) वामीरो बार-बार चारों ओर दृष्टि दौड़ा रही थी क्योंकि वामीरो को भय था कि कहीं लपाती गाँव का कोई व्यक्ति उसे इस प्रकार चोरी-छिपे तताँरा से मिलते हुए न देख ले। उसके गाँव की रीति के अनुसार किसी लड़की का, दूसरे गाँव के लड़के से इस प्रकार मिलना वर्जित था।

(ग) यहाँ 'कुछ' उन दोनों (तताँरा-वामीरो) के भीतर के उस अमूक प्रेम के लिए प्रयुक्त हुआ है जो दोनों के हृदय को एक-दूसरे से मिलने के लिए व्यथित करता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2013
लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 6.

तताँरा की तलवार किस चीज की बनी थी? लोगों की उस तलवार के बारे में क्या धारणा थी।

Answer:

'तताँरा' की तलवार लकड़ी की बनी थी। पारंपरिक पोशाक के साथ तताँरा अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रखता था। उसकी तलवार के बारे में लोगों में यह धारणा थी कि वह एक रहस्यमयी तलवार है। उस तलवार में अद्भुत दैवीय शक्ति है, एक चमत्कारिक शक्ति है, जिससे वह लोगों की सहायता करता है। तताँरा उस तलवार का उपयोग अन्य लोगों के सामने कभी नहीं करता था, परंतु उसके साहसिक कारनामों के चर्चे हर जगह होते थे। इसलिए लोगों को लगता था कि उस तलवार में अद्भुत व विलक्षण शक्ति है।

Question 7.

तताँरा के जीवन में वामीरो के आने से क्या परिवर्तन आया?

Answer:

तताँरा के जीवन में जब से वामीरो आई थी, वह बिलकुल बदल गया था। वह अपनी सुध-बुध खोने लगा। उसका हृदय बेचैन रहने लगा। वह हर क्षण वामीरो से मिलने के लिए बेचैन रहने लगा। उसका किसी काम में मन नहीं लगता था। समय काटना मुश्किल हो गया। दिन ऊबाऊ गुजरने लगा। उसका मन कहीं नहीं लगता था। वह अचंभित व रोमांचित था। वामीरो की प्रतीक्षा में उसे एक-एक पल पहाड़ से भी अधिक भारी प्रतीत होता था। वह खोया-खोया रहने लगा था। उसकी व्याकुल आँखें वामीरो को सदा ढूँढ़ती रहती थी।

निबंधात्मक प्रश्न

Question 8.

प्राचीन काल में मनोरंजन और शक्ति प्रदर्शन के लिए क्या-क्या आयोजन किए जाते थे?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

'तताँरा-वामीरो कथा' के अनुसार प्राचीन काल में मनोरंजन और शक्ति प्रदर्शन के लिए 'पशु-पर्व' का आयोजन किया जाता था। इस पर्व को वर्ष में एक बार बड़े धूम-धाम से मनाया जाता था जिसमें गाँव के युवक उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते थे। इस 'पशु-पर्व' में दूर-दूर से लोग आते थे। उस दिन मेले जैसा आयोजन किया जाता था। गाँव के नवयुवक अपने बल प्रयोग के द्वारा पशुओं को वश में करने का प्रयास करते थे। जो युवक पशु को नियंत्रण में कर लेता था वह विजेता घोषित किया जाता था। मेले में कई तरह की दुकानें भी लगाई जाती थीं। उस स्थान को रंग-बिरंगे रूप में सजाया जाता था। अन्य भी कई प्रकार के आयोजन किए जाते थे। इस पर्व में हृष्ट-पुष्ट पशुओं का प्रदर्शन किया जाता था। शक्ति की परीक्षा के लिए युवकों को हृष्ट-पुष्ट पशुओं के साथ लड़ाया जाता था। इस आयोजन में नृत्य-संगीत और भोजन का भी प्रबंध होता था।

गद्यांश पर आधारित प्रश्न

Question 9.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

कुछ समय बाद पासा गाँव में 'पशु-पर्व' का आयोजन हुआ। पशु-पर्व में हृष्ट-पुष्ट पशुओं के प्रदर्शन के अतिरिक्त पशुओं से युवकों की शक्ति परीक्षा प्रतियोगिता भी होती है। वर्ष में एक बार सभी गाँव के लोग हिस्सा लेते हैं। बाद में नृत्य-संगीत और भोजन का भी आयोजन होता है।

(क) **पासा गाँव में क्या आयोजन हुआ?**

(ख) **पशु-पर्व में क्या-क्या होता है?**

(ग) **इसमें लोग मनोरंजन कैसे करते हैं? ग्रामीण जीवन में ऐसे पर्वों का क्या महत्त्व है?**

Answer:

(क) पासा गाँव में 'पशु-पर्व' का आयोजन हुआ। इसमें नृत्य-संगीत का आयोजन हुआ। इस पर्व में मनोरंजन के साथ-साथ भोजन की व्यवस्था थी।

(ख) पशु-पर्व में हृष्ट-पुष्ट पशुओं की शक्ति का प्रदर्शन होता है। इस पर्व में पशुओं से युवकों की शक्ति परीक्षा प्रतियोगिता भी होती है। इसमें गाँव के सभी लोग हिस्सा लेते हैं। बाद में नृत्य-संगीत का भी आयोजन होता है।

(ग) इस पर्व में लोग पशुओं से युवकों की शक्ति परीक्षण प्रतियोगिता का आनंद उठाते हैं। इस मेले में लोग नृत्य-संगीत, भोजन का आनंद लेते हैं। इस प्रकार के पर्वों का ग्रामीण जीवन में बहुत अधिक महत्त्व होता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2012
निबंधात्मक प्रश्न

Question 10.

लोग ऐसा क्यों मानते थे कि तताँरा की तलवार में अद्भुत शक्ति है? कहानी के अंत में इसे किस प्रकार दर्शाया गया है? अपने शब्दों में अभिव्यक्त कीजिए।

Answer:

लोग ऐसा क्यों मानते थे कि तताँरा की तलवार में अद्भुत शक्ति है? कहानी के अंत में इसे किस प्रकार दर्शाया गया है? अपने शब्दों में अभिव्यक्त कीजिए।

Question 11.

'तताँरा वामीरो प्रेम कथा ने निकोबारियों के दृष्टिकोण को बदल दिया।' पाठ के आधार पर कथन को सिद्ध करें।

Answer:

तताँरा-वामीरो प्रेम कथा ने निकोबारियों के दृष्टिकोण को बदल कर रख दिया। निकोबारियों की प्रथा थी कि युवक-युवतियों की शादी तभी संभव थी जब वे एक ही गाँव के होते थे अन्यथा उनके बीच वैवाहिक संबंध स्थापित नहीं होते थे। तताँरा-वामीरो के बीच भी यही समस्या थी क्योंकि तताँरा पासा गाँव का रहने वाला था, जबकि 'वामीरो' लपाती गाँव की रहने वाली युवती थी। दोनों एक दूसरे से बेहद प्यार करते थे। वामीरो ने अपने जीवन साथी की जैसी कल्पना की थी, तताँरा वैसा ही था, परंतु उस द्वीप में आपसी विद्वेष इतना था कि सारा गाँव तताँरा के प्रेम का विरोध करने लगा। उस विद्वेष (घृणा) को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए तताँरा-वामीरों को अपने जीवन का बलिदान देना पड़ा। यह सच है कि प्रेम सबको जोड़ता है और इसलिए जो समाज के लिए अपने जीवन का बलिदान देता है, यह समाज उसी को याद रखता है। उनके बलिदान से प्रेरणा लेकर तताँरा-वामीरो के गाँव के लोगों को सीख मिल गई और उन लोगों ने दूसरे गाँव के युवक-युवतियों के बीच वैवाहिक संबंध को स्वीकार कर लिया। उन दोनों के बलिदान को संपूर्ण द्वीप के लोग श्रद्धा व गर्व के साथ याद करते हैं। यही कारण है कि युगों-युगों से चली आ रही रूढ़ियों का अंत हो गया और निकोबारियों के दृष्टिकोण बदल गए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

गद्यांश पर आधारित प्रश्न

Question 12.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता। अपने गाँववालों को ही नहीं, अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्तव्य समझता था। उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था। सभी उसका आदर करते। वक्त मुसीबत में उसे स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता। दूसरे गाँवों में भी पर्व-त्योहारों के समय उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता। उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते।

(क) तताँरा अपना कर्तव्य क्या समझता था?

(ख) दूसरे गाँव के लोग तताँरा का सम्मान क्यों और कैसे करते थे?

(ग) प्रस्तुत गद्यांश के आधार पर तताँरा की दो विशेषताएँ लिखिए।

Answer:

(क) ततांँरा गाँववालों की ही नहीं, अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्तव्य समझता था।

(ख) दूसरे गाँव के लोग भी ततांँरा का सम्मान करते थे। वे वक्त मुसीबत में उसे स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता। पर्व-त्योहारों के समय उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता।

(ग) ततांँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। वह सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता। अपने त्याग की वजह से वह चर्चित था।

2011
लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 13.

ततांँरा ने वामीरो से क्या याचना की?

Answer:

ततांँरा ने वामीरो से अधूरे गाने को पूरा करने की एवं अगले दिन फिर उसी स्थान पर आने व मिलने की याचना की।

Question 14.

ततांँरा की तलवार के बारे में लोगों के क्या मत थे?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

तताँरा अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रखता था। लोगों का मत था कि उस तलवार में अद्‌भुत दैवीय शक्ति थी। ततााँरा उस तलवार का उपयोग दूसरों के सामने कभी नहीं करता था। फिर भी लोग तलवार में अद्‌भुत शक्ति का होना मानते थे। ततााँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी।

Question 15.

प्राचीन काल में मनोरंजन और शक्ति प्रदर्शन के लिए किस प्रकार के आयोजन किए जाते थे?

Answer:

प्राचीन काल में मनोरंजन और शक्ति प्रदर्शन के लिए पशु-पर्व का आयोजन किया जाता था। इस पर्व में लोग हृष्ट-पुष्ट पशुओं का प्रदर्शन करते थे। इस पर्व में युवकों की शक्ति परीक्षा प्रतियोगिता भी होती थी। गाँव के सभी लोग इसमें हिस्सा लेते थे।

Question 16.

निकोबार द्वीप समूह के विभक्त होने के बारे में निकोबारियों का क्या विश्वास है?

Answer:

निकोबार द्वीपसमूह के विभक्त होने के पीछे लोगों का यह मत था कि जब निकोबारियों ने ततााँरा और वामीरो को विवाह करने से रोका तब ततााँरा ने क्रोध में आ कर अपनी रहस्यमयी तलवार से द्वीप के दो टुकड़े कर दिए जिन्हें कार निकोबार व अंदमान द्वीपसमूह के नाम से जाना जाता है।

निबंधात्मक प्रश्न

Question 17.

रूढ़ियाँ जब बंधन बन बोझ लगने लगे तो उनका टूट जाना ही क्यों अच्छा है? पाठ के आधार पर विस्तार से समझाए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

इस पाठ में एक द्वीपसमूह के एक छोटे से द्वीप की कथा का वर्णन किया गया है जहाँ विद्वेष ने गहरी जड़ें जमा ली थीं। उस विद्वेष को जड़मूल से उखाड़ने के लिए एक युगल को आत्म-बलिदान देना पड़ा था। यहाँ कार निकोबार और लिटिल-अंडमान के अलग होने के पीछे रूढ़ियों को इसका कारण माना जाता है। कहा जाता है कि पहले ये दोनों द्वीप एक दूसरे से जुड़े थे। वामीरो लपाती गाँव की युवती थी और तताँरा पासा गाँव का युवक था। दोनों एक दूसरे से प्रेम करते थे और विवाह करना चाहते थे। रीति अनुसार दोनों का विवाह असंभव था क्योंकि दोनों को एक ही गाँव का होना आवश्यक था। इसलिए लोगों ने तताँरा और वामीरो के विवाह का विरोध किया। परिणाम स्वरूप जीते जी दोनों एक न हो सके और दोनों ने मृत्यु को गले लगा लिया। दोनों के बलिदान के बाद गाँव में सुखद परिवर्तन हुआ और रूढ़ियाँ टूट गईं। निकोबारी इस घटना के बाद दूसरे गाँव में भी आपसी वैवाहिक संबंध करने लगे। सच कहा गया है कि परम्पराएँ रूढ़ियाँ बन कर बोझ बन जाएँ, तो उनका टूट जाना ही आवश्यक है।

गद्यांश पर आधारित प्रश्न

Question 18.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

कुछ समय बाद पासा गाँव में 'पशु-पर्व' का आयोजन हुआ। पशु-पर्व में हृष्ट-पुष्ट पशुओं के प्रदर्शन के अतिरिक्त पशुओं से युवकों की शक्ति परीक्षा प्रतियोगिता भी होती है। वर्ष में एक बार सभी गाँव के लोग हिस्सा लेते हैं। बाद में नृत्य-संगीत और भोजन का भी आयोजन होता है। शाम से सभी लोग पासा में एकत्रित होने लगे। धीरे-धीरे विभिन्न कार्यक्रम शुरू हुए। तताँरा का मन इन कार्यक्रमों में तनिक न था। उसकी व्याकुल आँखें वामीरो को ढूँढने में व्यस्त थीं। नारियल के झुंड के एक पेड़ के पीछे से उसे जैसे कोई झाँकता दिखा। उसने थोड़ा और करीब जाकर पहचानने की चेष्टा की। वह वामीरो थी जो भयवश सामने आने में झिझक रही थी। उसकी आँखें तरल थीं। होंठ काँप रहे थे। तताँरा को देखते ही वह फूटकर रोनी लगी। तताँरा विह्वल हुआ। उससे कुछ बोलते ही नहीं बन रहा था। रोने की आवाज़ लगातार ऊँची होती जा रही थी। तताँरा किंकर्तव्यविमूढ़ था। वामीरो के रुदन स्वरों को सुनकर उसकी माँ वहाँ पहुँची और दोनों को देखकर आग बबूला हो उठी।

(क) पशु-पर्व कहाँ आयोजित हुआ? क्यों?

(ख) तताँरा का मन कार्यक्रम में क्यों नहीं लग रहा था?

(ग) वामीरो कहाँ थी, क्यों झिझक रही थी?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

(क) 'पशु-पर्व' पासा गाँव में आयोजित हुआ क्योंकि इसमें हृष्ट-पुष्ट पशुओं के प्रदर्शन के अतिरिक्त पशुओं से युवकों की शक्ति परीक्षा प्रतियोगिता भी होती थी।

(ख) तताँरा का मन कार्यक्रम में नहीं लग रहा था क्योंकि उसकी व्याकुल आँखें वामीरो को ढूँढने में व्यस्त थीं।

(ग) वामीरो नारियल के झुंड के एक पेड़ के पीछे से झांक रही थी। वह भयवश सामने आने में झिझक रही थी।

Question 19.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

"तुमने एकाएक इतना मधुर गाना अधूरा क्यों छोड़ दिया?" तताँरा ने विनम्रतापूर्वक कहा। अपने सामने एक सुंदर युवक को देखकर वह विस्मित हुई। उसके भीतर किसी कोमल भावना का संचार हुआ। किंतु अपने को संयतकर उसने बेरुखी के साथ जवाब दिया। "पहले बताओ! तुम कौन हो, इस तरह मुझे घूरने और इस असंगत प्रश्न का कारण? अपने गाँव के अलावा किसी और गाँव के युवक के प्रश्नों के उत्तर देने को मैं बाध्य नहीं। यह तुम भी जानते हो।" तताँरा मानो सुध-बुध खोए हुए था। जवाब देने के स्थान पर उसने पुनः अपना प्रश्न दोहराया। "तुमने गाना क्यों रोक दिया? गाओ, गीत पूरा करो। सचमुच तुमने बहुत सुरीला कंठ पाया है।"

(क) तताँरा अपनी सुध-बुध क्यों खोए हुए था?

(ख) युवती के भीतर कोमल भावना का संचार क्यों हुआ?

(ग) युवती ने तताँरा को बेरुखी के साथ क्या जवाब दिया?

Answer:

(क) एक शाम तताँरा दिनभर के अथक परिश्रम के बाद समुद्र तट पर बैठकर सूरज की अंतिम रंग-बिरंगी किरणों को निहार रहा था। तभी उसे एक मधुर गीत गूँजता सुनाई दिया। बीच-बीच में लहरों का संगीत था। गायन के प्रभाव से वह अपनी सुध-बुध खोने लगा।

(ख) सुंदर और शक्तिशाली तताँरा को देखकर युवती के भीतर कोमल भावना का संचार हुआ। तताँरा अपनी सुध-बुध खो कर उससे विनम्रतापूर्वक पूछ रहा था कि तुमने अपना गाना अधूरा क्यों छोड़ दिया?

(ग) युवती ने तताँरा को बेरुखी से जवाब दिया– "पहले बताओ! तुम कौन हो, इस तरह मुझे घूरने और इस असंगत प्रश्न का कारण? अपने गाँव के अलावा किसी और गाँव के युवक के प्रश्नों के उत्तर देने को मैं बाध्य नहीं। यह तुम भी जानते हो।"

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2010
गद्यांश पर आधारित प्रश्न

Question 20.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

ततााँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता। अपने गाँव वालों की ही नहीं अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्तव्य समझता था। उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था। सभी उसका आदर करते। वक्त मुसीबत में उसे स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता। उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते। पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता। लोगों का मत था, बावजूद लकड़ी की होने पर, उस तलवार में अद्भुत दैवीय शक्ति थी।

(क) ततााँरा का आदर सभी लोग क्यों करते थे? **(ख) लोग उसके करीब क्यों रहना चाहते थे?**

(ग) ततााँरा की तलवार के बारे में लोगों का क्या विश्वास था?

Answer:

(क) ततााँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। वह सदैव दूसरों की सहायता करने को तैयार रहता था। वह समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना कर्तव्य समझता था। वक्त मुसीबत में उनकी एक पुकार पर वह उनकी मदद करने के लिए दौड़ा चला जाता था। इसी कारण समस्त द्वीपवासी उसका आदर करते थे।

(ख) लोग उसके करीब इसलिए रहना चाहते थे क्योंकि वह मुसीबत में सबकी सहायता करता था। उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव का था।

(ग) लोगों का विचार था कि तलवार लकड़ी की होने के बावजूद उसमें अद्भुत दैवीय शक्ति थी। ततााँरा अपनी तलवार को कभी अलग नहीं करता था वह दूसरों के सामने कभी उसका उपयोग भी नहीं करता था।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 21.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

क्रोध में उसने तलवार निकाली और कुछ विचार करता रहा। क्रोध लगातार अग्नि की तरह बढ़ रहा था। लोग सहम उठे। एक संनाटा-सा खिंच गया। जब कोई राह न सूझी, तो क्रोध का शमन करने के लिए उसमें शक्ति भर उसे धरती में घोंप दिया और ताकत से उसे खींचने लगा। वह पसीने से नहा उठा। सब घबराए हुए थे। वह तलवार को अपनी तरफ़ खींचते-खींचते दूर तक पहुँच गया। वह हाँफ रहा था। अचानक जहाँ तक लकीर खिंच गई थी, वहाँ एक दरार होने लगी। मानो धरती दो टुकड़ों में बँटने लगी हो। एक गड़गड़ाहट-सी गूँजने लगी और लकीर की सीध में धरती फटती ही जा रही थी। द्वीप के अंतिम सिरे तक तताँरा धरती को मानो क्रोध में काटता जा रहा था। सभी भयाकुल हो उठे। लोगों ने ऐसे दृश्य की कल्पना न की थी, वे सिहर उठे।

(क) तताँरा के क्रोध का क्या कारण था?

(ख) क्रोध को शान्त करने के लिए तताँरा ने क्या किया?

(ग) लोग भय से क्यों सिहर उठे?

Answer:

(क) तताँरा के क्रोध का कारण था– वामीरो की माँ द्वारा उसका अपमान करना; गाँव वालों द्वारा तताँरा को भला-बुरा कहना तथा वामीरो का व्याकुल होकर फूट-फूट कर रोना। इन सभी स्थितियों ने तताँरा के क्रोध को और भड़का दिया।

(ख) अपने क्रोध का शमन करने के लिए तताँरा ने अपनी तलवार पूरी ताकत से धरती में घोंप दी। फिर उसे खींचते-खींचते द्वीप के अंतिम छोर तक पहुँच गया। तताँरा के इस प्रहार से धरती में एक दरार पड़ गई जिससे धरती फट गई और द्वीप दो टुकड़ों में बँट गया।

(ग) लोग तताँरा के क्रोध को देखकर और इसके कारण फटती हुई धरती को देखकर सिहर उठे। वे किसी अनहोनी के होने से भयभीत हो गए थे।

2009
लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 22.

तताँरा और वामीरो के गाँव की क्या रीति थी?

Answer:

तताँरा और वमीरो के गाँव की यह रीति थी कि एक ही गाँव के रहने वाले लड़का या लड़की अपने ही गाँव के लड़का या लड़की के साथ वैवाहिक संबंध स्थापित कर सकते हैं, किसी दूसरे गाँव में रहने वाले लड़का या लड़की के साथ अपने वैवाहिक संबंध स्थापित नहीं कर सकते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

गद्यांश पर आधारित प्रश्न

Question 23.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

सदियों पूर्व, जब लिटिल अंदमान और कार-निकोबार आपस में जुड़े हुए थे, तब वहाँ एक सुंदर-सा गाँव था। पास में एक सुंदर और शक्तिशाली युवक रहा करता था। उसका नाम था तताँरा। निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे। तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता। अपने गाँव वालों को ही नहीं, अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्तव्य समझता था। उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था। सभी उसका आदर करते। वक्त मुसीबत में उसे स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता। दूसरे गाँवों में भी पर्व-त्योहारों के समय उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता। उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते। पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता। लोगों का मत था, बावजूद लकड़ी की होने पर, उस तलवार में अद्भुत दैवीय शक्ति थी। तताँरा अपनी तलवार को कभी अलग न होने देता। उसका दूसरों के सामने उपयोग भी न करता। किंतु उसके चर्चित साहसिक कारनामों के कारण लोग-बाग तलवार में अद्भुत शक्ति का होना मानते थे। तताँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी।

(क) सभी लोग तताँरा का आदर क्यों करते थे? **(ख) तताँरा की पोशाक की क्या विशेषता थी?**

(ग) तताँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी। इसका कारण स्पष्ट कीजिए।

(घ) पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

(क) सभी लोग तताँरा का आदर करते थे क्योंकि वह एक नेक और मददगार व्यक्ति था। वह सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता था। अपने गाँववालों की ही नहीं, अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्तव्य समझता था। उसको याद करते ही वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता था। जहाँ लोग उसको सहायता के लिए पुकारते थे।

(ख) तताँरा की पोशाक की यह विशेषता थी कि वह पारंपरिक पोशक थी। इसके साथ ही वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता था।

(ग) तताँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी क्योंकि तताँरा अपनी तलवार को अपने से कभी अलग न होने देता था। वह उसका उपयोग दूसरों के सामने भी कभी नहीं करता था। तताँरा के साहसिक कारनामों के कारण लोग तलवार में अद्भुत दैवीय शक्ति का होना मानते थे, जबकि वह एक लकड़ी से बनी तलवार थी।

(घ) पाठ का नाम– "तताँरा-वामीरो कथा"
लेखक का नाम– लीलाधर मंडलोई।

Question 24.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

क्रोध में उसने तलवार निकाली और कुछ विचार करता रहा। क्रोध लगातार अग्नि की तरह बढ़ रहा था। लोग सहम उठे। एक सन्नाटा-सा खिंच गया। जब कोई राह न सूझी तो क्रोध का शमन करने के लिए उसमें शक्ति भर उसे धरती में घोंप दिया और ताकत से उसे खींचने लगा। वह पसीने से नहा उठा। सब घबराए हुए थे। वह तलवार को अपनी तरफ़ खींचते-खींचते दूर तक पहुँच गया। वह हाँफ रहा था। अचानक जहाँ तक लकीर खिंच गई थी, वहाँ एक दरार होने लगी। मानों धरती दो टुकड़ों में बँटने लगी हो। एक गड़गड़ाहट-सी गूँजने लगी और लकीर की सीध में धरती फटती ही जा रही थी। द्वीप के अंतिम सिरे तक तताँरा धरती को मानों क्रोध में काटता जा रहा था। सभी भयाकुल हो उठे। लोगों ने ऐसे दृश्य की कल्पना न की थी, वे सिहर उठे।

(क) तताँरा के क्रोध के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

(ख) क्रोध को शांत करने के लिए तताँरा ने क्या किया?

(ग) तलवार से लकीर खींचकर धरती को फाड़ना अविश्वसनीय है, फिर भी यह कहानी मन को छूती है, ऐसा क्यों?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

(क) तताँरा के क्रोध के कई कारण थे। उनमें से मुख्य था कि वामीरो की माँ ने सभी गाँव वालों के सामने उसको तरह-तरह से अपमानित किया था। गाँव के लोग भी ततॉरा के विरोध में आवाज़ें उठाने लगे जो ततॉरा के लिए असहनीय थीं। उसे जहाँ विवाह की निषेध परंपरा पर क्षोभ था वहीं अपनी असहायता पर खीझ। वामीरों का दुख उसे और गहरा कर रहा था। अंत में वह क्रोध में भर गया।

(ख) ततॉरा ने अपने क्रोध को शांत करने के लिए उसने अपनी लकड़ी से बनी तलवार निकाल ली और शक्तिभर धरती में घोंप दिया तथा पूरी ताकत से उसे खींचने लगा। तलवार को खींचते-खींचते द्वीप के अंतिम छोर तक चला गया। पीछे-पीछे धरती फटने लगी। द्वीप दो टुकड़ों में बँट गया।

(ग) तलवार से लकीर खींचकर धरती को फाड़ना अविश्वसनीय है, फिर भी यह कहानी मन को छूती है क्योंकि यह एक प्रेमकथा है, इसी तरह इतिहास में अनेक ऐसी प्रेमकथाएँ व कुछ किवदंतियाँ भरी पड़ीं हैं। ततॉरा समुद्र की तलहटी में समा गया उधर वामीरो भी उसे बुलाते-बुलाते कहाँ चली गई किसी को पता न चला। परंतु वर्तमान में जो सामने देखने को मिलता है वह यह है कि एक कार-निकोबार है तथा इससे 96 कि०मी० दूर लिटिल अंदमान द्वीप समूह है। इस घटना के बाद लोग अब दूसरे गाँव में भी आपसी वैवाहिक संबंध स्थापित करने लगे हैं।

Question 25.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

"वामीरो घर पहुँचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर ततॉरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाज़ा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार-बार ततॉरा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता। उसने ततॉरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थीं। उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत, साहसी युवक था। किन्तु वही ततॉरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत, सभ्य और भोला। उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन-साथी के बारे में सोचती रही थी। किंतु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ यह संबंध परंपरा के विरुद्ध था।"

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) वामीरो ततॉरा के विषय में किस विचार से मुक्त होना चाहती थी? उसकी मुक्त होने की छटपटाहट को झूठी क्यों कहा गया है?

(ग) ततॉरा के याचना भरे चहरे में कौन-से भाव छिपे हुए थे?

(घ) वामीरो कैसे जीवन-साथी की कल्पना करती थी? उसकी यह कल्पना साकार क्यों नहीं हो पा रही थी?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

(क) पाठ का नाम – तताँरा - वामीरो कथा,
लेखक का नाम – लीलाधर मंडलोई।

(ख) वामीरो वास्तम में तताँरा से प्रेम करती थी। इसकी वजह से उसके अंदर छटपटाहट थी। वह सोचती रहती थी कि किस विधि से अपने प्रेमी से जा मिलें और प्रेम-विवाह कर लें, परंतु वह अपने गाँव की रीति को तोड़ न सकी। वह एक ही गाँव के लड़के के साथ शादी कर सकती थी, दूसरे गाँव के लड़के के साथ नहीं। उसमें इस रीति को तोड़ने का साहस न था और वह इसे तोड़ न सकी। इसी वजह से उसकी छटपटाहट झूठी साबित होती है।

(ग) तताँरा के याचना भरे चेहरे में सच्चे प्रेम के भाव छिपे हुए थे। वह वास्तव में गाना सुनते-सुनते प्रेम विह्वल हो गया। आखिरकार उसने वामीरों का नाम पूँछ ही लिया और कल भी आने की याचना करने लगा। अपना नाम बताते हुए, कह दिया कि कल मैं तुम्हारी इसी जगह पर प्रतीक्षा करूँगा। कल ज़रूर आना।

(घ) वामीरो ने तताँरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखीं थीं। वह एक साहसी, सुंदर, बलिष्ठ, शांत, सभ्य और भोला व्यक्ति है। उसका व्यक्तित्व भी उसकी कल्पना के अनुसार था। वामीरो जैसा अपना जीवन-साथी चाहती थी, ठीक वैसा ही तताँरा था। उसकी यह कल्पना साकार नहीं हुई क्योंकि वह दूसरे गाँव का रहने वाला था जो समाज के नियम के विरुद्ध था। अतः वामीरों ने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा। परंतु वामीरो तताँरा को भूल न सकी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in